



पञ्चदशः पाठः

## मातुलचन्द्र !

कुत आगच्छसि मातुलचन्द्र!

कुत्र गमिष्यसि मातुलचन्द्र!

अतिशयविस्तृतनीलाकाशः

नैव दृश्यते क्वचिदवकाशः

कथं प्रयास्यसि मातुलचन्द्र!

कुत आगच्छसि मातुलचन्द्र!

कथमायासि न भो! मम गेहम्

मातुल! किरसि कथं न स्नेहम्

कदाऽगमिष्यसि मातुलचन्द्र!

कुत आगच्छसि मातुलचन्द्र!

धवलं तव चन्द्रिकावितानम्

तारकखचितं सितपरिधानम्

महां दास्यसि मातुलचन्द्र!

कुत आगच्छसि मातुलचन्द्र!

त्वरितमेहि मां श्रावय गीतिम्

प्रिय मातुल! वर्धय मे प्रीतिम्

किन्नायास्यसि मातुलचन्द्र!

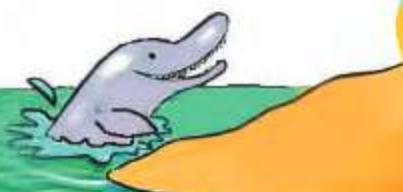
कुत आगच्छसि मातुलचन्द्र!



## शब्दार्थः



|                         |   |                       |                          |
|-------------------------|---|-----------------------|--------------------------|
| <b>मातुलचन्द्रः</b>     | - | चन्द्रामामा!          | Uncle moon               |
| <b>कुतः (अव्यय)</b>     | - | कहाँ से               | from where               |
| <b>अतिशयविस्तृतः</b>    | - | अति विशाल             | very stretched, extended |
| <b>दृश्यते</b>          | - | दिखता है/दिखती है     | it looks                 |
| <b>क्वचित् (अव्यय)</b>  | - | कहाँ भी               | anywhere                 |
| <b>प्रयास्यसि</b>       | - | जाओगे/जाओगी           | will go                  |
| <b>गेहम्</b>            | - | घर को                 | home                     |
| <b>किरसि</b>            | - | विखेरते हो/विखेरती हो | scatter                  |
| <b>धवलम्</b>            | - | सफेद                  | white                    |
| <b>चन्द्रिकावितानम्</b> | - | फैली हुई चाँदनी       | extensive moonlight      |
| <b>तारकख्यितं</b>       | - | तारों से शोभित        | adorned with stars       |
| <b>सितपरिधानम्</b>      | - | सफेद वस्त्र           | white clothes            |
| <b>मह्यम्</b>           | - | मुझे                  | to me                    |
| <b>त्वरितम्</b>         | - | शीघ्र                 | fast, as soon as         |
| <b>एहि</b>              | - | आओ                    | come                     |
| <b>श्रावय</b>           | - | सुनाओ                 | make me listen           |
| <b>वर्धय</b>            | - | बढ़ाओ                 | increase                 |





### अध्यासः



1. बालगीतं साभिनयं सस्वरं गायत।

2. पद्मांशान् योजयत-

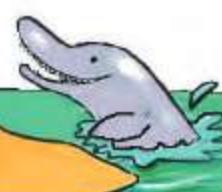
|                |                        |
|----------------|------------------------|
| मातुल! किरसि   | सितपरिधानम् .....      |
| तारकखचितं      | श्रावय गीतिम् .....    |
| त्वरितमेहि मा- | चन्द्रिकावितानम् ..... |
| अतिशयविस्तृत   | कथं न स्नेहम् .....    |
| धवलं तव        | नीलाकाशः .....         |

3. पद्मांशेषु रिक्तस्थानानि पूरयत-

- (क) प्रिय मातुल! ..... प्रीतिम्।
- (ख) कथं प्रयास्यसि ..... |
- (ग) ..... क्वचिदवकाशः।
- (घ) ..... दास्यसि मातुलचन्द्र!।
- (ड) कथमायासि न ..... गेहम्।

4. प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत-

- (क) अस्मिन् पाठे कः मातुलः?
- (ख) नीलाकाशः कीदृशः अस्ति?
- (ग) मातुलचन्द्रः किं न किरति?
- (घ) किं श्रावयितुं शिशुः चन्द्रं कथयति?
- (ड) चन्द्रस्य सितपरिधानं कथम् अस्ति?





## 5. उदाहरणानुसारं निम्नलिखितपदानि सम्बोधने परिवर्तयत-

**यथा-** चन्द्रः - चन्द्र!

(क) शिष्यः - .....

(ख) गोपालः - .....

**यथा-** बालिका - बालिके!

(क) प्रियंवदा - .....

(ख) लता - .....

**यथा-** फलम् - फल!

(क) मित्रम् - .....

(ख) पुस्तकम् - .....

**यथा-** रविः - रवे!

(क) मुनिः - .....

(ख) कविः - .....

**यथा-** साधुः - साधो!

(क) भानुः - .....

(ख) पशुः - .....

**यथा-** नदी - नदि!

(क) देवी - .....

(ख) मानिनी - .....





**6. मञ्जूषातः उपयुक्तानाम् अव्ययपदानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरयत-**

|      |     |       |     |      |
|------|-----|-------|-----|------|
| कुतः | कदा | कुत्र | कथं | किम् |
|------|-----|-------|-----|------|

- (क) जगन्नाथपुरी ..... अस्ति?
- (ख) त्वं ..... पुरीं गमिष्यसि?
- (ग) गङ्गानदी ..... प्रवहति?
- (घ) तव स्वास्थ्यं ..... अस्ति?
- (ङ) वर्षाकाले मयूरः ..... कुर्वन्ति?

**7. तत्समशब्दान् लिखत-**

|       |       |
|-------|-------|
| मामा  | ..... |
| मोर   | ..... |
| तारा  | ..... |
| कोयल  | ..... |
| कबूतर | ..... |

